आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में दिनांक **07.02.2022** को "आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी " विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून की परियोजना के अंतर्गत दीप प्रज्ज्वलन के साथ आरम्भ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानो की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व से अवगत कराया।

केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानो की आय को बढ़ाने हेतु विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा की तथा कृषिवानिकी बढ़ाने पर बल दिया।उन्होंने बताया इस क्षेत्र के लिए गम्हार और आँवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएँ हैं जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओं से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ० हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी महाविद्यालय (शुआट्स), प्रयागराज ने आँवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ० अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कृषको तथा अन्य प्रतिभागियों हेतु एक समूह गतिविधि का आयोजन भी किया गया । सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद द्वारा पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला, गम्हार तथा अन्य प्रजातियों के रोपण द्वारा क्षेत्र विशेष में कृषिवानिकी के स्तर को बढ़ाने हेतु सामूहिक सुझाव पर भी चर्चा की गयी ।

कार्यक्रम में आँवला, गम्हार तथा अन्य प्रजातियों के साथ एक मॉडल - कृषिवानिकी अपनाएँ – दोगुनी आय बढ़ाएँ का प्रदर्शन भी प्रतिभागियों हेतु किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डा० सत्येन्द्र देव शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० कुमुद दुबे, श्री आलोक यादव, रतन गुप्ता (तकनीकी अधिकारी) तथा साजन कुमार के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र - योगेश कुमार अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष, राहुल निषाद, राहुल, कुमारी ब्यूटी, विजय, अंकुर, कुलदीप तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सुझाव तथा संस्तुतियाँ :

- विपणन स्थान की उपलब्धता तथा नजदीकी बाजार की जानकारी
- प्रदर्शन कार्यक्रमों को बढ़ावा देना तथा स्थल का भ्रमण
- अधिक आय बढ़ाने वाली प्रजातियों का चयन
- उचित अंतर – फसलो का चयन
- उच्च गुणवत्ता उक्त रोपण सामग्री
- तकनीकी सहायता
- प्रसार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम
- न्यूनतम समर्थन मूल्य
- कृषिवानिकी में व्यवस्थित कृषि तकनीक प्रणाली के अंतर्गत वृक्षों का रोपण

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
: 07.02.2022
अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
2022/2/7 15:03

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)
FRCER
2022/2/7 15:06

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)
2022/2/7 15:25

FRCER
भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION
वनस्पतयः शान्तिः
RAYAGRAJ

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

PRAYAGRAJ
प्रयागराज
कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
प्रयागराज
देहरादून

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
ा तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
ुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
रतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
धारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

कृषिवानिकी अपनाएँ - दोगुनी आय बढ़ाएँ
कृषि वानिकी - उत्पादों का विपणन

FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION
PRAYAGRAJ
Prayagraj, Uttar Pradesh (INDIA)
ऊसर भूमि सुधार

गम्हार (सफेद सागौन) - कृषि वानिकी हेतु
एक बहुद्देशीय वृक्ष
परिचय -
गम्हार आधारित कृषि वानिकी -
2022/2/7 13:17

गम्हार (सफेद सागौन) - कृषि वानिकी हेतु
एक बहुद्देशीय वृक्ष
परिचय -
गम्हार आधारित कृषि वानिकी -
आर्थिकी -
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज
आँवला की खेती - कृषकों हेतु संवाद
Azadi Ka Amrit Mahotsav

आंवला व गम्हार आधारित कृषि वानिकी पर चर्चा

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में सोमवार को आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने वानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इसके पहले कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोज डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने सभी को कार्यक्रम के विषय की जानकारी दी।

अमर उजाला दिनांक 09/02/2022

प्रशिक्षण में आंवला व गम्हार आधारित कृषि वानिकी पर की चर्चा

वन अनुसंधान केंद्र की ओर से दिया गया प्रशिक्षण

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में सोमवार को ऑंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने वानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इसके पहले कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोज डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने सभी को कार्यक्रम के विषय की जानकारी दी। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए वानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। बताया कि इस क्षेत्र में गम्हार और ऑंवला आधारित कृषि वानिकी में अपार संभावनाएं हैं। जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए केंद्र की वरिष्ठ

वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी की संभावनाओं की सभी को जानकारी देते हुए इसके उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में मौजूद असिस्टेंट प्रोफेसर वानिकी, शुआट्स डॉ. हेमंत कुमार ने ऑंवला आधारित कृषि वानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण में मौजूद कृषकों तथा अन्य लोगों के सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद के बीच कृषि में आने वाली समस्याओं पर चर्चा हुई। आखिर में डॉ. सत्येंद्र देव शुक्ल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे तथा आलोक यादव, शोध छात्र योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अमर उजाला (सिटी एडिशन) दिनांक 09/02/2022

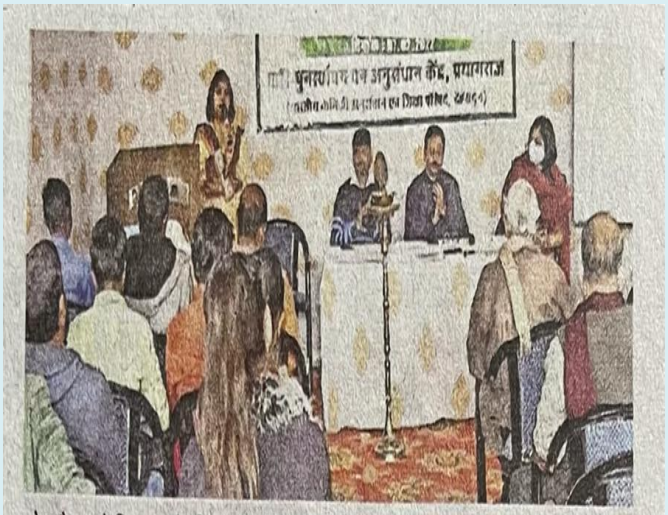

परेड मैदान में किसान गोष्ठी को संबोधित करतीं डा. अनुभा श्रीवास्तव ● साभार : विभाग

किसानों को आय बढ़ाने के दिए गए टिप्स

जासं, प्रयागराज : पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से माघ मेला क्षेत्र में आंवला तथा गम्हार आधारित कृषि वानिकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परेड मैदान में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय व किसानों की आय बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्व से अवगत कराया। केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने वानिकी के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की व कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। इस दौरान मुख्य रूप से डा. हेमंत कुमार, डा. सत्येन्द्र देव शुक्ला, डा. कुमुद दुबे, आलोक यादव, योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष, राहुल अन्य मौजूद रहे।

दैनिक जागरण दिनांक 08/02/2022

कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए किसानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

प्रयागराज। पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में सोमवार को 'आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी' पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानों की आय बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्व से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने वानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की तथा कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने बताया इस क्षेत्र के लिए गम्हार और आँवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएं हैं। जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओं से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आँवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं सम्भावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। अंत में उपस्थित कृषकों तथा अन्य लोगों से सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ सत्येन्द्र देव शुक्ला ने किया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे तथा अलोक यादव के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष, राहुल तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

इलाहाबाद एक्स्प्रेस दिनांक 08/02/2022

कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए किसानो को एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

प्रयागराज। पारिपुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी ' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानो की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानो की आय को बढ़ाने हेतु विभिनन्-बिन्दुओ पर चर्चा की तथा कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कृषको तथा अन्य लोगों से सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 कुमुद दुबे तथा अलोक यादव के साथ विभिनन् परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र-योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष, राहुल तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारी साथ आदि उपस्थित रहे।

विद्रोही सामना हिन्दी दैनिक समाचार दिनांक 08/02/2022

किसानों की आय बढ़ाने के बताये मंत्र

प्रयागराज (पंजाब केसरी): पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आज आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानों की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने के लिये विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा की। बताया इस क्षेत्र के लिए

कार्यक्रम को संबोधित करतीं वक्ता।

गम्हार और आंवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएं हैं जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा। डॉ. अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओं से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आंवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी दिनांक 08.02.2022

प्रयागराज 3
अमृत प्रभात
प्रयागराज, मंगलवार, 8 फरवरी 2022

कृषि वानिकी को बढ़ावा देने को किया प्रशिक्षित

प्रयागराज (नि.सं.)। पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आज आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानों की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व बताये। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने के लिये विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की। कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने बताया इस क्षेत्र के लिए गम्हार और आंवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएं हैं, जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा। वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओं से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आंवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कृषकों तथा अन्य लोगों से सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. कुमुद दुबे तथा अलोक यादव के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष आदि उपस्थित रहे।

, मंगलवार, 08 फरवरी, 2022
प्रयागराज 3

कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए किसानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में 'आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी 'ङ विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानो की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानो की आय को बढ़ाने हेतु विभिनन बिन्दुओ पर चर्चा की तथा कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने बताया इस क्षेत्र के लिए गम्हार और आँवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएँ हैं जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओं से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ0 हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आँवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कृषको तथा अन्य लोगों से सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया।

कौशांबी टाइम्स दिनांक 08/02/2022